केंद्रीय विद्यालय माती अकबरपुर(प्रथम पाली)
अभ्यास परीक्षा प्रश्न-पत्र

कक्षा : 10 वीं , विषय : हिंदी, पाठ्यक्रम-अ(कोड-002)

समय : 3 घंटा **पूर्णांक : 80**

सामान्य निर्देश :

1. इस प्रश्नपत्र में चार खंड हैं- क, ख, ग, और घ|
2. सभी खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है|
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए|
4. एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए|
5. दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए|
6. तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए|

खंड 'क' (अपठित अंश) 10 अंक

(1) गद्यांश के आधार पर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए- 10अंक

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अध्ययनों और संयुक्त राष्ट्र की मानव विकास रिपोर्टों ने भारत के बच्चों में कुपोषण की व्यापकता के साथ-साथ बाल मृत्यु दर और मातृ मृत्यु दर का ग्राफ काफी ऊँचा रहने के तथ्य भी बार-बार जाहिर किए हैं | यूनिसेफ की रिपोर्ट बताती है कि लड़कियों की दशा और भी खराब है |

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बाद बालिग होने से पहले लड़कियों को ब्याह देने के मामले दक्षिण एशिया में सबसे ज्यादा भारत में होते हैं| मातृ-मृत्यु दर और शिशु मृत्यु-दर का एक प्रमुख कारण यह भी है| यह रिपोर्ट ऐसे समय जारी हुई है जब बच्चों के अधिकारों से संबंधित वैश्विक घोषणा-पत्र के 25 साल पूरे हो रहे हैं| इस घोषणा पत्र पर भारत और दक्षिण एशिया के अन्य देशों ने भी हस्ताक्षर किए थे | इसका यह असर जरूर हुआ कि बच्चों की सेहत, शिक्षा, सुरक्षा से संबंधित नए कानून बने, मंत्रालय या विभाग घटित हुए, संस्थाएँ और आयोग बने| घोषणा पत्र से पहले की तुलना में कुछ सुधार भी दर्ज हुआ है पर इसके बावजूद बहुत सारी बातें विचलित करने वाली हैं | मसलन, देश में हर साल लाखों बच्चे गुम हो जाते हैं| लाखों बच्चे अभी भी स्कूलों से बाहर हैं | श्रम शोषण के लिए विवश बच्चों की तादाद इस से भी अधिक है| वे स्कूल में पिटाई और घरेलू हिंसा के शिकार होते रहते हैं |

परिवार के स्तर पर देखें तो संतान का मोह काफी प्रबल दिखाई देगा, मगर दूसरी ओर बच्चों के प्रति सामाजिक संवेदनशीलता बहुत क्षीण है | कमजोर तबकों के बच्चों के प्रति तो बाकी समाज का रवैया अमूमन असहिष्णुता का ही रहता है | क्या ये स्वस्थ समाज के लक्षण हैं ?

1. गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए | 1
2. बच्चे किसका शिकार होते हैं? 1
3. असहिष्णुता शब्द में मूल शब्द, उपसर्ग और प्रत्यय अलग-अलग कीजिए | 2
4. भारत-पाकिस्तान किस समस्या से जूझ रहे हैं ? इसका मुख्य कारण क्या है ? 2
5. बच्चों के अधिकारों से संबंधित घोषणा-पत्र जारी होने के बाद क्या सुधार हुआ और ऐसी कौन-सी बातें हैं जो हमें दुखी करती हैं ? 2
6. "क्या ये स्वस्थ समाज के लक्षण हैं?" ऐसा किस स्थिति को देख कर कहा गया है और क्यों ? 2

खंड- 'ख' (व्यावहारिक व्याकरण) 16 अंक

(2) निर्देशानुसार उत्तर दीजिए- 1×4=4

1. रचना के आधार पर वाक्य-भेद बताइए-
   मैं केला खाते-खाते स्कूल पहुँच गया |
2. रेखांकित उपवाक्य का भेद बताइए-
   मुझे पता था कि तुम मेरी मदद करोगे |
3. प्रथम आने वाले विद्यार्थी को पुरस्कार दिया जाएगा | (मिश्र वाक्य में बदलिए)
4. यद्यपि वह सेनानी नहीं था पर लोग उसे कैप्टन कहते थे| (सरल वाक्य में बदलिए)

(3) निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन कीजिए- **1×4=4**

1.) हालदार साहब ने पान खाया | (कर्मवाच्य में)
2.) कवयित्री द्वारा कविता पाठ किया गया | (वाच्य का भेद लिखिए)
3.) मैं घर में नहीं बैठ सकता | (भाववाच्य में)
4.) मेरे द्वारा समय की पाबंदी पर निबंध लिखा गया| (कर्तृवाच्य में)

(4) निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों का पद-परिचय दीजिए- **1×4=4**

1. माला पत्र लिखती है |
2. वे जयपुर जा चुके हैं |
3. पिता जी झाड़ू लगाते हैं |
4. अनुराग ने काला कोट पहना |

(5) रस परिचय से संबंधित प्रश्नों के उत्तर लिखो **1×4=4**

1. निम्नलिखित दोहे में कौन-सा रस है?
"कहत नटत रीझत खिझत मिलत खिलत लजियात |
भरे भौन में करत हैं नैनन ही सों बात ||"
2. रौद्र रस का स्थायी भाव बताइए |
3. रति किस रस का स्थायी भाव है?
4. वात्सल्य रस का एक उदाहरण लिखिए |

खंड- 'ग'(पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक) 34अंक

(6) गद्यांश के आधार पर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए- 6 अंक

यह पितृ-गाथा मैं इसलिए नहीं गा रही कि मुझे उनका गौरव-गान करना है, बल्कि मैं तो यह देखना चाहती हूँ कि उनके व्यक्तित्व की कौन-सी खूबी और खामियाँ मेरी व्यक्तित्व के ताने-बाने में गुँथी हुई हैं या कि अनजाने-अनचाहे किए उनके व्यवहार ने मेरे भीतर किन ग्रंथियों को जन्म दे दिया | मैं काली हूँ | बचपन में दुबली और मरियल थी थी | गोरा रंग पिताजी की कमजोरी थी सो बचपन में मुझसे दो साल बड़ी, खूब गोरी, स्वस्थ और हँसमुख बहिन सुशीला से हर बात में तुलना और फिर उसकी प्रशंसा ने ही क्या मेरे भीतर ऐसे गहरे हीन भाव की ग्रंथि पैदा नहीं कर दी कि नाम, सम्मान और प्रतिष्ठा पाने के बावजूद आज तक मैं उससे उबर नहीं पाई ?

1. लेखिका के पिता उसकी तुलना किससे करते थे ? इसका लेखिका पर क्या असर हुआ ? 2
2. लेखिका के पिता की कमजोरी क्या थी ? वे लेखिका की बहन की प्रशंसा क्यों किया करते थे ? 2
3. लेखिका द्वारा पितृ-गाथा सुनाने का उद्देश स्पष्ट कीजिए | 2

(7) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिए- 2×4=8

1. फ़ादर बुल्के ने संन्यासी की परम्परागत छवि से अलग एक नई छवि प्रस्तुत की है, कैसे? 2
2. क्या कैप्टन चश्मेवाले जैसे व्यक्ति की आज जरूरत है? अगर हाँ तो क्यों? और नहीं तो क्यों नहीं ? 2
3. भगत की पुत्रवधू उन्हें अकेले क्यों नहीं छोड़ना चाहती थी? 2
4. लेखक को नवाब साहब के किन हाव-भावों से महसूस हुआ कि वे उनसे तनिक भी बातचीत करने के लिए उत्सुक नहीं हैं? 2
5. 'मन्नू भंडारी की माँ त्याग और धैर्य की पराकाष्ठा थी फिर भी लेखिका के लिए आदर्श न बन सकी|' क्यों? 2

(8) काव्यांश के आधार पर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए- 6 अंक

कौसिक सुनहु मंद येहु बालकु | कुटिलु कालबस निज कुल घालकु ||
भानुबंस राकेस कलंकू | निपट निरंकुस अबुधु असंकू ||
कालकवलु होइहि छन माहीं | कहौं पुकारि खोरि मोहि नाहीं ||
तुम्ह हटकहु जौ चहहु उबारा| कहि प्रतापु बलु रोषु हमारा ||
लखन कहेउ मुनि सुजसु तुम्हारा | तुम्हहि अछत को बरनै पारा ||
अपने मुहु तुम्ह आपनि करनी | बार अनेक भांति बहु बरनी ||
नहि संतोषु तो पुनि कछु कहहू | जनि रिस रोकि दुसह दुख सहहू ||
बीरब्रती तुम्ह धीर अछोभा | गारी देत न पावहु सोभा ||

क) परशुराम को किस पर गुस्सा आ रहा है और क्यों ? 2
ख) लक्ष्मण परशुराम का क्रोध किस तरह बढ़ा रहे थे ? 2
ग) 'कौसिक' किसके लिए आया है एवं परशुराम ने उनसे क्या कहा? 2

(9) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिए- 2×4=8

1. उद्धव द्वारा दिए गए योग के संदेश ने गोपियों की विरहाग्नि में घी का काम कैसे किया? 2
2. कविता में बादल किन-किन अर्थों की ओर संकेत करता है? 2
3. बच्चे की मुस्कान और एक बड़े व्यक्ति की मुस्कान में क्या अंतर है? 2
4. कवि ने कठिन यथार्थ के पूजन की बात क्यों कही है? 2
5. 'बेटी अभी सयानी नहीं थी'- कन्यादान कविता के आधार पर प्रस्तुत पंक्तियों में अभिव्यक्त माँ की चिंता का कारण लिखिए| 2

(10) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिए- 3×2=6

1. आज की पीढ़ी द्वारा प्रकृति के साथ किस तरह का खिलवाड़ किया जा रहा है? इसे रोकने के लिए क्या किया जाना चाहिए ? 3
2. जॉर्ज पंचम की लाट की नाक लगाने के लिए अनेक प्रयास किए गए | उन प्रयासों का उल्लेख करते हुए बताइए कि आप इनमें से किसे सही मानते हैं और किसे गलत ? इससे उनमें किन मूल्यों का भाव दिखता है ? 3
3. 'माता का अंचल' पाठ में ग्रामीण परिवेश का चित्रण किया गया है| आप ग्रामीण जीवन व शहरी जीवन में क्या अंतर पाते हैं? 3

खंड - घ (लेखन) 20 अंक

(11) निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर लगभग 200 से 250 शब्दों में एक निबंध लिखिए- **10**

क) परिश्रम और अभ्यास- सफलता की कुंजी

प्रस्तावना
परिश्रम का महत्त्व
परिश्रम के अनुकरणीय उदहारण
परिश्रम और अभ्यास से सफलता
उपसंहार

ख) भारतीय किसान

भूमिका
किसान का जीवन-अभावपूर्ण
गरीबी और संघर्ष
गरीबी व संघर्ष दूर करने के उपाय
उपसंहार

ग) कंप्यूटर : आज की जरूरत

भूमिका
मानव मस्तिष्क से भी तेज
इंटरनेट
कंप्यूटर का ज्ञान,आज की आश्यकता
उपसंहार

(12) लाउडस्पीकरों के मनमाने प्रयोग से होने वाली परेशानियों का उल्लेख करते हुए अपने नगर के थानाध्यक्ष को पत्र लिखिए| 5

अथवा

आपकी कक्षा में नए अध्यापक पढ़ाने आए हैं जोकि बहुत अच्छा पढ़ाते हैं| उनके विषय में परिचयात्मक सूचना देते हुए अपने मित्र को लगभग 80-100 शब्दों में एक पत्र लिखिए|

(13) एक्सेल मोबाइल फोन बनाने वाली कंपनी के प्रचार के लिए एक विज्ञापन तैयार कीजिए | 5

अथवा

'पवन' पंखे बनाने वाली कंपनी अपने पंखों की बिक्री बढ़ाना चाहती है | आप उसके लिए एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए |

'मेरा आग्रहपूर्वक कथन है कि अपनी सारी मानसिक शक्ति हिंदी के अध्ययन में लगावें|'- आचार्य विनोवा भावे

केंद्रीय विद्यालय माती अकबरपुर(प्रथम पाली)
अभ्यास परीक्षा प्रश्न-पत्र-1 (अंक योजना)

कक्षा : 10 वीं , विषय : हिंदी, पाठ्यक्रम-अ(कोड-002)

निर्धारित समय : 3 घंटा **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश :

1. अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है| अंक योजना में दिए गए उत्तर-बिंदु अंतिम नहीं हैं| ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं| यदि परीक्षार्थी ने इनसे भिन्न, किंतु उपयुक्त उत्तर दिए हैं तो उसे उपयुक्त अंक दिए जाएँ|
2. मूल्यांकन कार्य निजी व्यवस्था के अनुसार नहीं, बल्कि अंक योजना में निर्दिष्ट निर्देशानुसार ही यथासंभव किया जाए|
3. प्रश्नों के उत्तर यदि बिन्दुओं में अपेक्षित हों और परीक्षार्थी अपेक्षा से अधिक बिंदुओं का उल्लेख करे तो सही बिंदु/बिन्दुओं पर अंक दें और शेष/अनुपयुक्त बिन्दुओं को अनदेखा करें|
4. एक ही प्रकार की अशुद्धि के लिए बार-बार अंक न काटें जाएँ|

खंड 'क' (अपठित अंश) 10 अंक

(1) गद्यांश के आधार पर प्रश्नों के उत्तर - 10अंक

1. गद्यांश का उचित शीर्षक -'बाल स्वास्थ्य समस्या' या कोई अन्य उपयुक्त शीर्षक । 1
2. बच्चे कुपोषण, स्कूल में पिटाई और घरेलू हिंसा का शिकार होते हैं| 1
3. असहिष्णुता शब्द में मूल शब्द- सहिष्णु, उपसर्ग- अ और प्रत्यय- ता । 2
4. भारत-पाकिस्तान मातृ-मृत्यु और शिशु-मृत्यु की समस्या से जूझ रहे हैं | इसका मुख्य कारण बालिग होने से पहले लड़कियों का ब्याह करना है | 2
5. बच्चों के अधिकारों से संबंधित घोषणा-पत्र जारी होने के बाद बच्चों की सेहत, शिक्षा, सुरक्षा से संबंधित कानून बने, मंत्रालय या विभाग घटित हुए, संस्थाएँ और आयोग बने| लाखों बच्चों का गुम होना व शिक्षा से वंचित होना ऐसी बातें हैं जो हमें दुखी करती हैं | 2
6. "क्या ये स्वस्थ समाज के लक्षण हैं?" ऐसा बच्चों के प्रति सामाजिक संवेदनशीलता के बहुत क्षीण होने की स्थिति को देख कर कहा गया है क्योंकि कमजोर तबकों के बच्चों के प्रति तो बाकी समाज का रवैया अमूमन असहिष्णुता का ही रहता है| 2

खंड- 'ख' (व्यावहारिक व्याकरण) 16 अंक

(2) वाक्य भेद - 1×4=4

1. सरल वाक्य
2. संज्ञा आश्रित उपवाक्य
3. जो विद्यार्थी प्रथम आएंगे उन्हें पुरस्कार दिया जाएगा |
4. सेनानी न होने पर भी लोग उसे कैप्टन कहते थे|

(3) वाच्य परिवर्तन - **1×4=4**

1.) हालदार साहब के द्वारा पान खाया गया|
2.) कर्मवाच्य
3.) मुझसे घर में नहीं बैठा जा सकता |
4.) मैंने समय की पाबंदी पर निबंध लिखा|

4) रेखांकित पदों का पद-परिचय- **1×4=4**

1. माला - व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक
2. वे - पुरुषवाचक सर्वनाम, बहुवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक
3. लगाते हैं- सकर्मक क्रिया, एकवचन, पुल्लिंग, वर्तमान काल, कर्तवाच्य
4. काला- गुणवाचक विशेषण, कोट-विशेष्य, एकवचन, पुल्लिंग

(5) रस परिचय से संबंधित प्रश्नों के उत्तर लिखो **1×4=4**

1. श्रृंगार रस
2. क्रोध
3. श्रृंगार रस
4. तुम्हारी यह दंतुरित मुस्कान, मृतक में भी डाल देगी जान | या अन्य कोई उपयुक्त उदहारण

खंड- 'ग'(पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक) 34अंक

(6) गद्यांश के आधार पर प्रश्नों के उत्तर - 6 अंक

1. लेखिका के पिता उसकी तुलना उसकी बड़ी बहन सुशीला करते थे | इससे लेखिका के भीतर गहरी हीन भाव की ग्रंथि पैदा हो गयी| 2
2. लेखिका के पिता की कमजोरी गोरा रंग थी | वे लेखिका की बहन की प्रशंसा उसके खूब गोरे रंग, स्वस्थ और हँसमुख स्वभाव के कारण किया करते थे | 2
3. लेखिका द्वारा पितृ-गाथा सुनाने का उद्देश्य यह है कि वह उनके व्यक्तित्व की खूबी और खामियाँ के बारे में बताना चाहती है जिनका उसके व्यक्तित्व पर अनजाने-अनचाहे असर हुआ| 2

(7) प्रश्न-उत्तर 2×4=8

1. फ़ादर बुल्के भारतीय संन्यासी प्रवृत्ति के आधार पर खरे संन्यासी नहीं थे| लेखक के अनुसार वे केवल संकल्प के संन्यासी थे, मन से नहीं| उन्होंने परम्परागत संन्यासी की छवि से अलग एक नई छवि प्रस्तुत की है वे संभवतः आत्मनिर्भरता के उद्देश्य से कॉलेज में अध्यापन करते थे| प्रियजनों के प्रति सम्मोह रखते थे| संकट के समय सहानुभूति रख उन्हें धैर्य देते थे| 2

2. कैप्टन चश्मेवाले जैसे व्यक्ति की आज जरूरत है क्योंकि आजकल जब लोगों में देशभक्ति की भावना घटती जा रही है वैसे में कैप्टन जैसा दुर्बल व्यक्ति अपने सीमित साधनों से नेताजी की चश्माविहीन मूर्ति पर चश्मा लगाकर स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति अपनी श्रद्धा दिखता है| इससे हमारी युवा पीढ़ी को देश-प्रेम की सीख मिलेगी| 2

3. भगत की पुत्रवधू उन्हें अकेले इसलिए नहीं छोड़ना चाहती थी क्योंकि उसे यह चिंता थी कि उसके चले जाने के बाद बूढ़े भगत के लिए खाना कौन बनाएगा? यदि वे बीमार पड़ गए तो दवा और पानी कौन देगा? 2

4. जब लेखक अपनी सीट पर बैठा तो नवाब साहब उनसे नजरें मिलाने से बच रहे थे। नवाब साहब खिड़की के बाहर देख रहे थे। इन हाव भावों से पता चलता है कि नवाब साहब लेखक से बातचीत करने के लिए तनिक भी उत्सुक नहीं थे। 2

5. 'मन्नू भंडारी की माँ त्याग और धैर्य की पराकाष्ठा थी फिर भी लेखिका के लिए आदर्श न बन सकी क्योंकि उनका त्याग, धैर्य, सहिष्णुता विवशता से उत्पन्न गुण थे| उनके चरित्र में जो कुछ था निरीहता का परिणाम था जो लेखिका के लिए रुचिकर नहीं था| उनका त्याग स्वाभाविक व स्वैच्छिक न होकर निहायत मजबूरी और बेबसी के कारण उत्पन्न हुआ था| 2

(8) काव्यांश के आधार पर प्रश्नों के उत्तर - 6 अंक

क) परशुराम को लक्ष्मण पर गुस्सा आ रहा है क्योंकि वह परशुराम पर अपने व्यंग्य कर रहे हैं| लक्ष्मण, परशुराम को बार-बार वीरता का प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए उकसा रहे हैं| 2

ख) लक्ष्मण परशुराम की वीरता का मजाक उड़ाकर उनके क्रोध को बढ़ा रहे थे | 2

ग) 'कौसिक' विश्वामित्र के लिए आया है एवं परशुराम ने उनसे लक्ष्मण को डांटने व अपनी वीरता को बताने के लिए कहा| 2

(9) प्रश्न-उत्तर 2×4=8

1. गोपियाँ कृष्ण के जाने के बाद विरह की अग्नि में जल रही हैं। वे कृष्ण के आने का इंतजार कर रही थीं कि उनके बदले में उद्धव आ गए। उद्धव उनके पास अपने मन पर नियंत्रण रखने की सलाह लेकर पहुँचे हैं। कृष्ण के बदले में उद्धव का आना और उनके द्वारा मन पर नियंत्रण रखने की बात ने गोपियों की विरहाग्नि में घी का काम किया है। 2

2. इस कविता में बादल कई अर्थों की ओर संकेत करता है; जैसे कि कोई अनगढ़ बालक, कोई नवीन रचना या फिर कोई अनजान दिशा से आया पथिक। 2

3. बच्चे की मुसकान हमेशा निश्छल होती है। बड़ों की मुसकान में कई अर्थ छिपे हो सकते हैं। कभी-कभी यह मुसकान कुटिल हो सकती है, तो कभी किसी उम्मीद से भरी हो सकती है। ऐसा बहुत कम होता है कि किसी वयस्क की मुसकान उतनी निश्छल हो जितनी कि किसी बच्चे की। 2

4. कवि का मानना है कि जो बीत गया उसके बारे में सोचने से कोई फायदा नहीं होता है। बीता हुआ पल यदि अच्छा हो तो कई लोग उसकी खुशनुमा यादों में अपना समय बरबाद करते हैं। बीता हुआ पल यदि बुरा हो तो कई लोग उसके बारे में सोच-सोच कर अपना समय बरबाद करते हैं। लेकिन इससे कोई फायदा नहीं होता। उसके बदले यदि हम अपने वर्तमान की तरफ ध्यान दें तो हमारा आज भी ठीक रहेगा और आने वाला कल भी ठीक हो सकता है। 2

5. 'बेटी अभी सयानी नहीं थी'- कन्यादान कविता के आधार पर प्रस्तुत पंक्तियों में अभिव्यक्त माँ की चिंता का कारण यह है कि माँ के स्नेह में पली बढ़ी बेटी उसके लिए सरल ही होती है| इसके अतिरिक्त माँ जानती है कि बेटी को परिवार से हटकर मनुष्यों के कटु व्यवहार की जानकारी नहीं है| बेटी ससुराल पक्ष के उस व्यवहार को कैसे सहन कर पाएगी जो छल-छद्मों से युक्त होते हैं| 2

(10) प्रश्न-उत्तर 3×2=6

1. आज की पीढ़ी प्रकृति का दोहन कर रही है। प्रतिदिन सड़क पर लाखों की संख्या में नई गाड़ियाँ आ जाती हैं, जिसका मतलब होता है पेट्रोलियम पदार्थों की बढ़ती हुई खपत। इससे वायु प्रदूषण होता है। जल की कीमत को बहुत कम ही लोग पहचानते हैं और ज्यादातर लोग जल की बरबादी करने में माहिर होते हैं। आज नए शहर बसाने और नई फैक्ट्रियाँ लगाने के लिए जंगल के जंगल साफ किए जा रहे हैं जिससे पर्यावरण को नुकसान पहुँच रहा है। इसे रोकने के लिए हम सबको अपना योगदान देना होगा। हमें सार्वजनिक यातायात के साधनों का अधिक से अधिक उपयोग करना होगा। जल को बचाने के लिए मुहिम छेड़नी होगी। प्लास्टिक के उपयोग में कमी लानी होगी। बिजली बचाने के नए नए उपाय खोजने होंगे। 3

2. जार्ज पंचम की लाट की नाक को पुन: लगाने के लिए मूर्तिकार ने बड़े यत्न किए। पहले तो वह पूरे हिंदुस्तान की खाक छानता रहा ताकि उसे मूर्ति में इस्तेमाल हुए पत्थर जैसा ही पत्थर मिल जाए। फिर वह हिंदुस्तानी नेताओं की मूर्तियों की नाक का मुआयना करने निकल पड़ा। जब इससे भी बात न बनी तो वह पटना सेक्रेटेरियट के पास लगी किशोरवय स्वतंत्रता सेनानियों की मूर्तियों को भी देखने चला गया।इससे उनमें संवेदनशून्यता व मानसिक दासता के मूल्यों का भाव दिखता है | 3

3. 'माता का अंचल' पाठ में ग्रामीण परिवेश का चित्रण किया गया है| वर्तमान में ग्रामीण संस्कृति व शहरी संस्कृति में जमीन आसमान का अंतर नजर आता है| गांवों में लोगों के बीच प्रेम व सौहार्द का माहौल रहता है जबकि शहरी जीवन में लोग एकाकी रहते हैं| गाँवों में स्वच्छ हवा व पानी मिल जाता है जबकि शहरी जीवन प्रदूषण का शिकार है| गाँव में बच्चों के खेलने के लिए मैदान व बच्चे मिल जाते हैं जबकि शहरों में लोग घरेलू खेलों में ज्यादा रूचि लेते हैं| 3

खंड - घ (लेखन) 20 अंक

(11) निबंध लेखन (शब्द सीमा 200-250शब्द) **10**

प्रस्तुति - 1
भाषा-शुद्धता- 2
वाक्य विन्यास- 1
विषयवस्तु (संकेत बिन्दुओं के आधार पर)- 4
समग्र प्रभाव- 2

(12) पत्र लेखन (शब्द सीमा 80-100शब्द) **5**

प्रारंभ और अंत की औपचारिकता- 1+1=2

विषयवस्तु- 2

भाषा-शुद्धता - 1

(13) विज्ञापन लेखन (शब्द सीमा 25-50शब्द) **5**

प्रारूप- 2

विषयवस्तु- 2

भाषा-शुद्धता- 1